ಮೈಸೂರು ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾನಿಲಯ

University of Mysore

(Estd.1916)

M.A. HINDI

Choice Based Credit System (CBCS)

UNIVERSITY OF MYSORE

Department of Studies in Hindi

Manasagangothri, Mysuru-570006

Regulations and Syllabus

Master of Arts in Hindi (M.A.)

(Two-year semester scheme)

Under

Choice Based Credit System (CBCS)

CHAIRMAN
Board of Studies in Hindi
(PG & UG)
University of Mysore
Manasagangothri,
MYSORE-570 006

UNIVERSITY OF MYSORE
GUIDELINES AND REGULATIONS
LEADING TO

MASTER OF ARTS IN HINDI

Programme Details

Name of the Department	**: Department of Studies in Hindi**
Subject	**: Hindi**
Faculty	**: Arts**
Name of the Programme	**: Master of Arts in Hindi**
Duration of the Programme	**: 2 years divided into 4 semesters**

Department of Studies in Hindi
Syllabus – (Academic year 2019-20)
पाठ्यक्रम विवरणिका –(शैक्षणिक सत्र- 2019-20)
M.A. (Hindi) एम. ए. हिंदी

प्रस्तावना

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर सत्र का कार्यक्रम है, जिसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी के विवेक को विस्तार देते हुए गहन अध्ययन तथा शोध की उत्कंठा विकसित कना है। ज्ञान क शाखाओं के साथ साथ आज विश्व को सजग, आलोतनात्मक, विवेकशील और संवेदनशील व्यक्तित्व की आवश्यकता है। जो समाज की नाकरात्मक शक्तियों के विरुद्ध समानता और बंधुत्व के भाव की स्थापना कर सके। साहित्य का अध्ययन मनुष्य को इस संदर्भ में विस्तार देता है तथा मानवता की विजय में उसके विश्वास को दृढ करता है। भाषा, आलोचना, इतिहास, काव्यशास्त्र, भाषा विज्ञान आदि का अध्ययन जहाँ सैद्धान्तिक समझ को विस्तृत करता है, वहीं कविता, नाटक, कहानी में उन सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूपसे समझने की युक्तियाँ छिपी रहती हैं। इसप्रकार एम. ए. हिंदी का पाठ्यक्रम विद्यार्थी को सैद्धान्मिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है। साथ ही पाठ्यक्रम की संरचना इस बात की आजादी भी देती है कि वह ऐच्छिक, मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम में अपनी इच्छा से विभिन्न विषयों को पढ सकते हैं।

उद्देश्य

एम. ए. पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को स्नातक के पश्चात विषयों के गंभी, अध्ययन की ओर प्रेरित करना है। एम.ए. पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित करते हुए 76 क्रेडिट के रूप में प्रस्तुत किया गया है। मूल पाठ्यक्रम को चार सत्रों में विभाजित किया गया है और 76 क्रेडिट में से 8 क्रेडिट के लिए मुक्त ऐच्छिक पाठ्यक्रम हेतु है जिससे अंतरअनुशासनिक समझ का विस्तार होता है। सभी विद्यार्थियों के लिए लघु शोधप्रबंध का प्रावधान है जिससे भविष्य में शोध कार्य का मार्ग सुगम हो सकें। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा और समाज को जटिल संबंधों की पहचान कराना भी है जिससे विद्यार्थी देश, समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ बदलते समय में

व्यापक सरोंकारों से अपना संबंध जोड सकें साथ ही उसका भाषा कौशल, लेखन, और संप्रेषण क्षमता का विकास हो सके। भाषा विज्ञान, अनुवाद, पत्रकारिता, हिंदी साहित्य, भारतीय साहित्य, प्रयोजनमूलक हिंदी, भारतीय एंव पाश्चात्य काव्यशास्त्र आदि विषयों के अध्ययन से विद्यार्थी के क्षितिज का विस्तान करने में सहायक है।

परिणाम (Outcome)

इश पाठ्यक्रम के पठन पाठन की दिशा नें निम्मलिखित परिणाम सामने आएंगे।

- हिंदी भाषा की आरंभिक स्तर से लेकर वर्तमान के बदलते रूपों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
- भाषा के सैद्धान्तिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक रूप भी जाना जा सकता है।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती, इससे संबंधित परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं।
- भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप को भी जान सकते हैं।
- प्रयोजनमूलक हिंदी, पत्रकारिता, अनुवाद आदि के अद्यापन, अध्ययन के द्वारा व्यावसायिकता की क्षमता में बढावा।
- भारतीय साहित्य के अध्ययन से छात्रों के ज्ञान विस्तार तथा अभिव्यक्ति क्षमता में विकास।
- साहित्य के माध्यम से सौंदर्यबोध, नैतिकता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी।
- रचनात्मकता में अभिरूचि का निर्माण होगा।
- साहित्येतिहास के अध्ययन से साहित्यकार के युगबोध का परिचय होगा।
- काव्यशास्त्रिय सिद्धान्तों के अध्ययन से विश्लेषण की क्षमता का निर्माण होगा।

शिक्षण- प्रशिक्षण प्रक्रिया (Pedagogy)

सीखने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा की दक्षता को मजबूत बनाना होगा। छात्र हिंदी भाषा में नएपन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें। अपनी भाषा में व्यवहार एवं निपुणता प्राप्त कर सकें। साहित्य की समझ विकसित कर सकें। अपनी भाषा में व्यवहार कुशलता एवं निपुणता प्राप्त कर सकें। साहित्य की समझ विकसित कर सकें तथा आलोचनातमक एव साहित्यिक विवेक निर्मित किया जा सकें। इसलिए निम्नलिखत बिंदुओं को देखा जा सकता है –

- कक्षा व्याख्यान
- सामूहिक चर्चा
- सामूहिक परिचर्चा और चयनित विषयों पर आधारित आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ का आयोजन
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
- साहित्यिकता की समझ देना
- प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप में दिखाना
- लिखित परीक्षा
- आंतरिक मूल्यांकन
- शोध सर्वे

- वाद विवाद
- दृश्य-श्रव्य माध्यमों की व्यावहारिक जानकारी देना
- काव्य वाचन
- आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल

M.A. (Hindi) PROGRAMME

Semester – 1

सेमेस्टर - I

आधुनिक हिंदी कविता

HARD CORE — Credits-4 (3+1)

Paper Code – 13801 — (Marks total-100- 7100

Out Come – (परिणाम)

- हिंदी साहित्य के आधुनिक इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान की प्राप्ति।
- विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान की प्राप्ति।
- प्रमुख कवियों के युगबोध का ज्ञान विकसित होगा।
- कविता की समझ विकसित होगी।।
- हिंदी कविता में आख्यानमूलक काव्य रचना और काव्य परंपरा से परिचित होंगे।
- काव्य की आधुनिकता का समझ सकेंगे।
- छंदमुक्त कविता के वैशिष्ट्य को समझ सकेंगे।

Pedagogy - शिक्षण प्रक्रिया

- कक्षा व्याख्यान
- अन्य भाषाओं से प्रबंधात्मकता के उदाहरण
- समूह चर्चा
- कविता पठन
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधियाँ
- लिखित परीक्षा

इकाई -1 'साकेत'- मैथिलाशरण गुप्त, प्रकाशक-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद , (व्याख्या हेतु- नवम सर्ग)

इकाई -2 'कामायनी'- जयशंकर प्रसाद. प्रकाशक- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, (व्याख्या हेतु- चिंता, आशा, श्रद्धा सर्ग)
इकाई -3 'रागविराग'- संपा- रामविलास शर्मा, प्रकाशक- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- व्याख्या हेतु –'जुही की कली', 'बादल राग' (2), 'जागो फिर एक बार' (2), 'भिक्षुक', 'तोडती पत्थर', 'सरोज स्मृति', राम की शक्तिपूजा, कुकुरमुत्ता)
इकाई – 4- छायावादोत्तर कविता,
संदर्भ ग्रंथ

1. साकेत- एक अध्ययन, नगेन्द्र
2. मैथिलीशरण गुप्त- व्यक्ति और काव्य- डॉ कमलकांत पाठक, रंजित प्रकाशक, 4872, चांदनी चौक, दिल्ली
3. कामायनी अनुशीलन-डॉ रामलाल सिंह- इंडीयन प्रेस, इलाहाबाद
4. कामायनी का पर्नरावलोकन- मुक्तिबोध
5. आधुनिक साहित्य नंददुलारे बाजपेयी
6. जयशंकर प्रसाद- नंददुलारे बाजपेयी
7. आलेचना और साहित्य- डॉ इंद्रनाथ मदान- नीलाभ प्रकाशन, 5, खुसरोबाग रोड, इलाहाबाद
8. नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध- गजानन माधव मुक्तिबोध- विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर
9. निराला की साहित्य साधना- रामविलास शर्मा
10. निराला- रामरतन भटनागर

हिंदी साहित्य का इतिहास भाग-1
(आदिकाल से रीतिकाल तक)

Hard Core-2 Credits-4 (3+1)
Paper Code - 13802 Marks (100- 70+30 = 100)
Outcome -- (परिणाम)

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणातमक ज्ञान।
- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा।
- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन की समझ विकसित होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

➢ लिखित परीक्षा

Unit -1 इकाई -1

- इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास की परंपरा
- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुर्नलेखन की समस्याएँ
- हिंदी साहित्य का इतिहास- काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण

Unit -2 इकाई-2

- आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य
- हिंदी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृष्य, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ

Unit -3 इकाई -3

- भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ और उनका वैशिष्ट्य
- निर्गुण भक्तिधारा-प्रवृत्तियाँ, महत्व, कवि और उनका योगदान
- भारत में सूफी मत का विकास, प्रमूख कवि, काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोक जीवन
- सगुण भक्तिधारा की प्रवृत्तियाँ, कवि और उनका योगदान
- रामकाव्य और कृष्णकाव्य धारा, प्रमूख कवि और उनका योगदान, रचनागत वैशिष्ट्य

Unit -4 ईकाई- 4

- रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल सीमा और नामकरण
- दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथ की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की परंपरा
- रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ, रचनाकार और रचनाएँ,

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा
3. हिंदा साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपतिचंद्र गुप्त
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास- हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिंदी साहित्य की भूमिका- हजारीप्रसाद द्विवेदी
7. हिंदी साहित्य का अतीत- डॉ नगेन्द्र
8. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ नगेन्द्र
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - जयकिशन

PRAYOJANMULAK HINDI

प्रयोजनमूलक हिंदी

Soft Core Paper — Credits-4 (3+1)

Paper Code- 13803 — (Marks 100= 70+30=100)

Outcome (परिणाम)

- प्रयोजनमूलक हिंदी का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- प्रयोजनमूलक हिंदी और उनके माध्यमों का व्यावहारिक प्रयोग
- प्रयोजनमूलक हिंदी का सैद्धान्तिक समझ
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विश्लेषण की क्षमता

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- व्यावाहिरक कार्य
- समूह चर्चा

Unit -1 इकाई-1

- प्रयोजनमूलक हिंदी से अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
- पयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियाँ और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
- राजभाषा हिंदी का विकास
- भारतीय संविधान और हिंदी
- राष्ट्रपति आदेश 1952, 1955, राजभाषा आयोग 1955, संसदीय राजभाषा समिति 1957, राष्ट्रपति आदेश 1960, राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा (संशौधन) अधिनियम 1967, 1976
- हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओँ का संबंध

Unit -2 इकाई-2 कार्यालय पद्धति

- डाक पावती, डाक पंजीकरण और वितरण
- केंद्रीय रजीस्ट्री, रजीस्ट्री अनुभाग

Unit -3 इकाई-3 प्रशासकीय पत्राचार

- प्रशासकीय पत्राचार के विविध रूप
- प्रशासकीय पत्र के सोपान, नमूना

Unit -4 इकाई-4 टिप्पण तथा आलेखन

- टिप्पण- अभिप्राय, विशेषताएँ, टिप्पण लेखन की पद्धति, नमूना
- आलेखन- अभिप्राय, विशेषताएं, आलेखन लेखन की पद्धति, आलेखन के अंग, उत्तम आलेखक के गुण, नमूना

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का सामाजिक संदर्भ- रविद्रनाथ श्रीवास्तव तथा रामनाथ सहाय
2. सरकारी कार्यालय में हिंदी का प्रयोग- गोविंद श्रीवास्तव

3. प्रयोजनमूलक हिंदी- विनोद गोदरे
4. हिंदी में सरकारी कामकाज- राम विनायक सिंह, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
5. कार्यालय सहायिका-प्रकाशक- केंद्रीय हिंदी सचीवालय, हिंदी परिषद, नई दिल्ली
6. प्रमाणिक आलोखन और टिप्पण- पो. विराज- राजपाल एण्ड सन्स- नई दिल्ली
7. कार्यालय निर्देशिका- बाबुराम पालिवाल
8. आदर्श कार्यालय प्रविधि- एम. द्विवेदी
9. राजकाज हिंदी संदर्भिका- कैलास कलपिट, लोकभारती प्रकाशन- इलाहाबाद
10. सरकारी कर्यालय में हिंदी का प्रयोग- गोपिनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

ANUVAD SIDHANT AUR PRAYOG
अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग

Soft Core credit-4 (3+1)
Paper Code - 13804 (Marks 100 =70+30=100)

Outcome (परिणाम)

- अनुवाद की सैद्धान्तिक समझ विकसित होगी
- अनुवाद के क्षेत्रों की समझ विकसित होगी
- अनुवाद जगत के विश्लेषण की क्षमता निर्माण होगी
- अनुवाद के व्यावहारिक ज्ञान में वृद्दि होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- प्रायोगिक कार्य
- समूह चर्चा
- अभ्यास

Unit -1 इकाई-1 अनुवाद का स्वरूप एवं तत्व

- अनुवाद परिभाषा क्षेत्र एवं सीमाएँ
- अनुवाद कला है या विज्ञान
- अनुवाद की उपयोगिता, प्रासंगिकता, महत्व एवं व्यवसायिक परिदृश्य
- अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि

Unit -2 इकाई-2 अनुवाद के भेद

- शब्दानुवाद, भावानुवाद, व्याख्यानुवाद, सारानुवाद, वार्तानुवाद काव्यानुवाद, तकनीकी अनुवाद,कार्यालयी अनुवाद, मशिनी अनुवाद आदि

Unit -3 इकाई-3

- अनुवाद की समस्याएँ (साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एंवं तकनीकि साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ)
- अच्छे अनुवादक की योग्यताएँ और गुण

Unit -4 इकाई-4 व्यावहारिक अनुवाद

- प्रशासन में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्द (हिंदी–अंग्रेजी)
- अंग्रजी या कन्नड अवतरणों का हिंदी में अनुवाद
- हिंदी अवतरणों का अंग्रेजी या कन्नड में अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान- भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद कला- कुछ विचार- आनंद प्रकाश
3. अनुवाद सिद्धान्त और समस्याएँ- आर.एन. श्रीवास्तव

4. अनुवाद सिद्धान्त और स्वरूप- मनोहर सराफ एवं डॉ शिवकांत गोस्वामी
5. व्यावहारिक अनुवाद- डॉ एन, विश्वनाथ अय्यर
6. अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल

.....

Nibandhakar Ramchandra Shukla
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल

Soft core Credit- 4(3+1)
Paper Code- 13805 Marks – 100-70+30

Outcome (परिणाम)

- निबंध साहित्य में रामचंद्र शुक्ल के यादगान के बारे में जानकारी मिलेगी
- निबंध की विभिन्न शैलियों की समझ विकसित होगी
- निबंधों का विश्लेषणत्मक की समझ विकसित होगी

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- पठन- पाठन
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ
- लिखित परीक्षा

Unit -1 इकाई-1 आचार्य रामचंद्र शुक्ल जीवनी और कृतित्व

- जीवनी
- साहित्य साधना
- बहुमूखी साहित्यिक व्यक्तित्व
- निबंधकार रामचंद्र शुक्ल
- रामचंद्र शुक्ल के निबंधों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण
- रामचंद्र शुक्ल की निबंध शैली
- रामचंद्र शुक्ल की निबंध कला का मूल्यांकन
- रामचंद्र शुक्ल के निबंधों की रचना पद्धति संबंधी विशेषताएँ

-

Unit -2 इकाई-2 'चिंतामणी'-रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या हेतु- प्रथम 1 से 10 निबंध)

- प्रत्येक निबंध का कथ्यगत विवेचन
- निबंध कला की दृष्टी से प्रत्येक निबंध का विवेचन
- चिंतामणी के निबंधो का साहित्यिक वैशिष्ट्य

Unit -3 इकाई-3 'कविता क्या है'-रामचंद्र शुक्ल

- निबंध का कथ्यगत विवेचन
- निबंध कला की दृष्टी से निबंध का विवेचन
- 'कविता क्या है' निबंध का साहित्यिक वैशिष्ट्य

Unit -4 इकाई-4 आचार्य रामचंद्र शुक्ल की समीक्षा पद्धति

- समीक्षा पद्धति के विवेचन के आवश्यक अंग
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल की काव्य संबंधी विचार धारा
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल की समीक्षा का व्यावहारिक रूप
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल की समीक्षा में प्रयुक्त भाषा शैली
-

संदर्भ ग्रंथ

- हिंदी निबंधकार- जयंत नलिनी
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल का गद्य साहित्य-अशोक सिंह
- हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार- द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

.....

Upanyaskar Agney
उपन्यासकार अज्ञेय

Soft Core
Paper code – 13806

Credit 4 (3+1)
Marks 100 (70+30)

Outcome (परिणाम)

- अज्ञेय के साहित्यिक योगदान से परिचित होंगे
- मनोविश्लेषण समझ विकसित होगी
- अज्ञेय के युगबोध का परिचय होगा।
- अज्ञेय के उपन्यास कला और विश्लेषण की समझ विकसित होगी

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ
- लिखित परीक्षा

Unit -1 इकाई -1 अज्ञेयःव्यक्तित्व और कृतित्व

- अज्ञेय की जीवनी
- साहित्य साधना
- अज्ञेयपूर्व उपन्यास साहित्य
- अज्ञेय की उपन्यास कला का मूल्यांकन
- अज्ञेय के उपन्यास कला की विशेषताएँ
- उपन्यास साहित्य को अज्ञेय की देन

Unit -2 इकाई-2 शेखरःएक जीवनी- भाग-1

- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
- उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या
- उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व

Unit -3 इकाई-3 नदी के द्वीप

- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
- उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या
- उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व

Unit -4 इकाई -4 अपने अपने अजनबी

- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
- उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या
- उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व

पाठ्य पुस्तकें

शेखर- एक जीवनी, नदी के द्वीप, अपने अपने अजनबी

संदर्भ ग्रंथ

1. अज्ञेय- सृजन और संघर्ष- डॉ रामकमल राय
2. अज्ञेय और उनका उपन्यास संघर्ष- डॉ. रामदेव मिश्र
3. अज्ञेय की उपन्यास यात्रा- डॉ अरविंदाक्षन
4. अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग- श्रीलाल शुक्ल- प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली

.....

Vishesh Upnyaskar Premchand
विशेष उपन्यासकार प्रेमचंद

Soft Core — Credit 4 (3+1)
Paper Code-13807 — (Marks 100 -70+30)

Outcome (परिणाम)

- प्रेमचंद के साहित्यिक योगदान से परिचय
- उपन्यास कला की विश्लेषणात्मक पद्धति की समज विकसीत होगी
- प्रेमचंद की भाषा, युगबोध उपन्यास कला का परिचय होगा।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- आंतरिक मुल्यांकन
- लिखित परीक्षा

Unit -1 इकाई – प्रेमचंद व्यक्तित्व और कृतित्व

- प्रेमचंद का जीवन
- साहित्य साधना
- प्रेमचंदपूर्व उपन्यास साहित्य
- परिस्थितियाँ और प्रेमचंद का अविर्भाव
- प्रेमचंद के उपन्यास कला का मूल्यांकन
- प्रेमचंद के उपन्यास कला की विशेषताएँ
- उपन्यास साहित्य को प्रेमचंद की देन

Unit -2 इकाई -2 गोदान

- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
- उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या
- उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व
- उपन्यास साहित्य में गोदान का महत्व

Unit -3 इकाई-3 गबन

- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण

- उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
- उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या
- उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व

Unit -4 इकाई-4 निर्मला

- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
- उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या
- उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी उपन्यास- सिद्धान्त और समीक्षा- डॉ लखनलाल शर्मा
2. हिंदी उपन्यास- प्रेमचंद तथा उत्तर प्रेमचंद काल- डॉ सुरेशधवन, राजकमल, नई दिल्ली
3. युगदृष्टा प्रेमचंद- डॉ ललित शुक्ल
4. गोदान- मूल्यांकन और मूल्यांकन- इन्द्रनाथ मदान- नीलाभ प्रकाशन, दिल्ली.

.....

KARNATAKA SANSKRITI AUR SAHITYA
कर्नाटक संस्कृति और कन्नड साहित्य

Soft Core — Marks 100 = 70+15+15)
Paper Code- 13808 — Credit- 4 (3+1)

Outcome (परिणाम)

- कर्नाटक प्रदेश की जानकारी
- कर्नाटक सी संस्कृति का परिचय
- कन्नड साहित्य के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा आख्यान
- समूह चर्चा
- कर्नाटक प्रदेश की यात्रा/भ्रमण
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit -1 इकाई-1

- कर्नाटक की प्राचीनता, कर्नाटक तथा कन्नड शब्द की व्युत्पत्ति
- कर्नाटक की भौगोलिकता
- कर्नाटक की ऐतिहासिकता और ऐतिहासिक अवशेष
- कर्नाटक के प्रचीन राजवंश
- कर्नाटक का संगीत, शिल्पकला तथा वास्तुकला का परिचय
- कर्नाटक की धार्मिक परंपरा
- कर्नाटक के दर्शनीय स्थान
- कर्नाटक की लोक कलाएँ

Unit -2 इकाई-2 कन्नड साहित्य का संक्षिप्त परिचय

- पम्प पूर्व युग एवं पम्प युग का साहित्य
- वचन साहित्य
- कुमार व्यास युग का साहित्य
- दास साहित्य
- नवोदय
- बंडाय साहित्य

Unit -3 इकाई-3 कन्नड के प्रमूख कवियों का अध्ययन

(पम्प, बसवेश्वर, अल्लमप्रभु, अक्कमहादेवी, कुमार व्यास, कनकदास, पुरंदरदास, सर्वज्ञ, कुवेंपू, द.रा. बेंद्रे, मास्ति व्यंकटेश अय्यंगार, गोकाक, नवोदय तथा बंडाय(दलित) कवि)

Unit -4 इकाई-4 कन्नड की साहित्यिक विधाओं का सामान्य अध्ययन

(गीत, उपन्यास और कहानी)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कन्नड साहित्य का इतिहास- डॉ. आर. एस. मुगली
2. कर्नाटक और उसका साहित्य- डॉ एन.एस दक्षिणा मूर्ति
3. नवजागृति युगिन हिंदी कन्नड गीत काव्य- डॉ. जे .एस .कुसुमगीता
4. हिंदी कन्नड साहित्य- दशाएँ और दिशाएँ- संपा- डॉ.टी.आर भट्ट, डॉ.नंदिनी गुंडुराव
5. संतों और शिवशरणों के काव्य में सामाजिक चेतना- डॉ .काशिनाथ अंबलगी
6. हिंदी कन्नड साहित्य संपादक- डॉ प्रभाशंकर 'प्रेमी'
7. कर्नाटक दर्शन- प्रकाशक, कर्नाटक महिला सेवा समिति, बेंगलूर

.....

Hindi Upanyas Sahitya
हिंदी उपन्यासकार साहित्य

Soft Core | Credit -4 (3+1)
Paper code – 13809 | Marks 100-70+30

Outcome (परिणाम)

- हिंदी उपन्यास के विकासक्रम का ज्ञान
- उपन्यास के विविध रूपों की जानकारी मिलेगी
- कृतियों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी
- आंचलिकता, मनोविश्लेषण, आख्यान और नारी अस्मिता आदि के समझ विकसित होगी

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- चर्चा परिचर्चा
- पठन पाठन
- विश्लेषण
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

इकाई -1 अनामदास का पोथा हजारीप्रसाद

कथ्यगत विवेचन, पात्र तथा चरित्र चित्रण
उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या
उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व
उपन्यास साहित्य में अनामदास के पोथा का महत्व
इकाई -2 शेखर एक जीवनी- सच्चिदानंद हिरानंद वात्सायन

कथ्यगत विवेचन, पात्र तथा चरित्र चित्रण, उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या, उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व
अज्ञेय के उपन्यास कला की विशेषताएँ , उपन्यास साहित्य को अज्ञेय की देन
इकाई-3 मैला आँचल- फणिश्वरनाथ रेणु

आंचलिक उपन्यास – अर्थ परिभाशा और स्वरूप
कथ्यगत विवेचन, पात्र तथा चरित्र चित्रण ,उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा
उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या, उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व
इकाई -4 तत्सम- राजी सेठ

महिला लेखन परंपरा ,कथ्यगत विवेचन,पात्र तथा चरित्र चित्रण
उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा ,उपन्यास में अभिव्यक्त केंद्रीय समस्या,

उपन्यास का शिल्प एवं शैलीगत महत्व

Reference Books

1. हिंदी उपन्यास- सिद्धान्त और समीक्षा- डॉ लखनलाल शर्मा
2. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी-डॉ. पारसनाथ मिश्र,लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी-डॉ स्नेहलता शरेशचन्द्र, विद्यापुस्तक मंदिर, दिल्ली
4. अज्ञेय- सृजन और संघर्ष- डॉ रामकमल राय
5. अज्ञेय और उनका उपन्यास संघर्ष- डॉ. रामदेव मिश्र
6. अज्ञेय की उपन्यास यात्रा- डॉ अरविंदाक्षन
7. स्वातंत्र्योत्तर कथा लेखिकाएँ- उर्मिला गुप्ता
8. आधुनिक हिंदी उपन्यासों में नारी के विविध रूपों का चित्रण- डॉ. मोहम्मद ढेरीवाल,चिंतन प्रकाशन, कानपुर
9. समकालीन हिंदी साहित्य के विविध परिदृश्य- रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. हिंदी के चर्चित उपन्यासकार- भगवति मिश्र

Semester – II

सेमेस्टर - II

.....

Aadhunik Hindi Gadya

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य

Hard Core — Credit – 4-3+1

Paper Code – 13821 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- आधिनिक हिंदी गद्य की विविध विधाओं का परिचय
- प्रेमचंद की रंगभूमि के माध्यम से युगबोध की समझ
- मिथक के माध्यम से आधुनिकता की समझ
- आत्मकथा के माध्यम से दलितों को शोषण और संत्रास का ज्ञान

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- पठन अभ्यास

- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit -1 इकाई- उपन्यास (प्रेमचंद- 'रंगभूमि' व्याख्या हेतु संक्षिप्त संस्करण)

- कृषक जीवन का महाकाव्य-गोदान
- गोदान का वस्तु संगठन
- प्रमुख पात्र- होरी, धनिया, मेहता
- गोदान में यथार्थ और आदर्श
- गोदान में निरुपित समस्याएँ

Unit-2 इकाई- 2 शिंकजे का दर्द – सुशिला टागभोरे

विषयवस्तु, नारी का शोषण और संत्रास, दलित साहित्य
सामाजिक परिस्थितियाँ, दलित आत्मकथा और शिंकजे का दर्द

Unit -3 इकाई- 3नाटक (शंकर शेष- 'कोमल गांधार')

- वस्तुविधान
- पात्र- परिकल्पना
- समस्या और वैचारिकता
- शिल्पगत प्रयोग
- मंचीयता

Unit- 4 इकाई -4 (समकालीन हिंद कहानी)

समकालीन हिंदी कहानी – डॉ. वनजा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली.

- वस्तुविधान
- पात्र- परिकल्पना
- समस्या और वैचारिकता
- शिल्पगत प्रयोग
- मंचीयता

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी निबंधकार- जयंत नलिनी
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का गद्य साहित्य-अशोक सिंह
3. हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार- द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
4. उपन्यासकार प्रेमचंद- डॉ सुरेशचंद्र गुप्त
5. हिंदी उपन्यास- सिद्धान्त और समीक्षा- डॉ लखनलाल शर्मा
6. हिंदी उपन्यास- प्रेमचंद तथा उत्तर प्रेमचंद काल- डॉ सुरेशधवन, राजकमल, नई दिल्ली
7. कहानी का स्वरूप और संवेदना- डॉ राजेन्द्र यादव, नैशनल पब्लीशिंग हाउस, नई दिल्ली
8. आधुनिक नाटक के मसीहा- गोविंद चातक
9. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच- जयदेव तनेजा
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक- मोहन राकेश के विशेष संदर्भ में- रीता कुमार

(आधुनिक काल)

Hard Core Credit – 4-3+1

Paper Code – 13822 Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- आधिनिक हिंदी गद्य और पद्य की विकासक्रम का ज्ञान
- आधुनिक काल की विविध परिस्थितियों से परिय
- आधुनिक काल के विभिन्न आंदोलन के कारणों की समझ

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- पठन अभ्यास
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit -1 इकाई-1

- आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि (सन् 1857 की क्रांति और पुर्नजागरण)
- भारतेंदु युग- प्रमूख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
- द्विवेदी युग- प्रमूख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ

Unit -2 इकाई-2

- हिंदी की स्वच्छंदतावादी चेतना और विकास- छायावादी काव्य- प्रमूख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएँ
- उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ- प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ

Unit -3 इकाई-3

- हिंदी गद्य की प्रमूख विधाओं का उद्भव और विकास (कहानी, उपन्यास नाटक और एकांकी)

Unit -4 इकाई-4

- हिंदी गद्य की विधाएँ - निबंध, आलोचना, जीवनी, आत्मकथा, रीपोर्ताज का उद्भव और विकास

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपतिचंद्र गुप्त
2. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास इतिहास- हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
4. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह
5. हिंदा साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार वर्मा

6. आधुनिक हिंदी साहित्य- इंद्रनाथ मदान
7. हिंदी साहित्य में विविध वाद- रामनारायण
8. हिंदी उपन्यास –एक अंतरयात्रा- रामदरश मिश्र
9. हिंदी कहानी-एक अंतरंग पहचान- रामदरश मिश्र
10. हिंदी आलोचना-बींसवीं सदि- निर्मला जैन
11. समकालीन हिंदी कविता – अशोक त्रिपाठी
12. समकालीन हिंदी कविता –अरविंदाक्षन
13. हिंदी नाटक उद्भव और विकास- दशरथ ओझा
14. हिंदी की नई गद्य विधाएँ- कैलाशचंद भाटिया
15. हिंदी उपन्यास का इतिहास- गोपाल राय
16. गद्य की विवध विधाएँ- माजिदा असद

Bharteeya sahitya
भारतीय साहित्य

Soft Core Credit – 4-3+1
Paper Code – 13823 Marks -100=70+30)
Outcome (परिणाम)

- भारतीय साहित्य की अवधारणा की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्य की विविध विधाओं में रचित साहित्य के विश्लेषण की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्य के समान तत्वों की समझ विकसित होगी

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मुल्यांकन

Unit -1 इकाई-1

- भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
- भारतीय साहित्य विकास के चरण
- भारतीय साहित्य का समाज शास्त्र

- भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
- हिंदी साहित्य में भारतीय मुल्यों की अभिव्यक्ति

Unit -2 इकाई-2 तुलनात्मक साहित्य

- तुलनात्मक अध्ययन के सिद्धान्त
- तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ
- तुलनात्मक अध्ययन की दिशाएँ
- निम्नलिखित हिंदी और कन्नड कवियों का तुलनात्मक अध्ययन

(कबीर और बसव, कबीर और सर्वज्ञ. मीरा और अक्क महादेवी, पंत और कुवेंपू, मैथिलीशरण गुप्त और कुवेंपू)

Unit -3 इकाई-3 कविता

सविस्तार पाठ हेतु- 'आधुनिक भारतीय कविता' - संपा. अवधेश नारायण मिश्र, प्रकाशक- वश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी. (व्याख्या हेतु- गुजराती, तमिल, तेलुगु, बंगाली, मराठी)

- प्रत्येक कविता का कथ्यगत विवेचन
- काव्य सौंदर्य
- वैशिष्ट्य

Unit -4 इकाई-4 भारतीय कहानियाँ- प्रो. वनजा

'संस्कार' – गिरिश कर्ना- ययाति

- नाटककार का परिचय और साहित्यिक योगदान
- ययाती की कथावस्तु
- पात्र परिकल्पना
- केंन्द्रीय विचारधारा, समस्या, उद्देश्य
- नाटक में अभिव्यंजित भारतीयता

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय साहित्य की भूमिका- रामविलास शर्मा
2. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ- रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन , दिल्ली
3. भारतीय साहित्य- डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ प्रमिला अवस्थी- आशिष प्रकाशन, कानपुर
4. भारतीय साहित्य की अवधारणा- डॉ. राजेन्द्र मिश्र तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य-डॉ ब्रजकिशोर सिंह- प्रकाशक- समवेत प्रकाशन, कानपुर

VISHESH KAVI NARESH MEHATA
विशेष कवि नरेश मेहता

Soft Core — Credit – 4-3+1

Paper Code – 13824 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- प्रयोगवाद तथा नयी कविता के स्वरूप का परिचय
- नरेश मेहता के काव्य से उनके काव्यभूमि की समझ विकसित होगी

- मिथकियता के माध्यम से आधुनिकता की समझ विकसित होगी
- भाषा शैली, शिल्प से परिचय होगा

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- काव्यपाठ
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit -1 इकाई-1 नरेश मेहता का व्यक्तित्व और कृतित्व

- नरेश मेहता का जीवन परिचय
- काव्य साधना
- नरेश मेहता का गद्य साहित्य
- नरेश मेहता की प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन

Unit -2 इकाई -2 नरेश मेहता के प्रबंध काव्य (व्याख्या हेतु- संशय की एक रात, महाप्रस्थान, प्रवाद पर्व)

संशय की एक रात

- कथानक, प्रमुख पात्र
- समस्याएं, आधुनिकता और पौराणिकता
- नाट्यकाव्य, भाषागत अध्ययन

Unit -3 इकाई-3 महाप्रस्थान

- महाभारत तथा महाप्रस्थानिक पर्व
- कथानक
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- केंद्रीय विचारधारा तथा महाप्रस्थान में अभिव्यक्त जीवन मूल्य
- आधुनिकता और पौराणिकता
- नाट्यकाव्य
- भाषागत अध्ययन

Unit -4 इकाई-4 प्रवाद पर्व

- रामायणी कथा तथा प्रवाद पर्व
- कथानक
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- केंद्रीय विचारधारा
- आधुनिकता और पौराणिकता
- नाट्यकाव्य
- भाषागत अध्ययन

संदर्भ ग्रंथ

पाठ्यपुस्तकें-

नरेश मेहता- संशय की एक रात, महाप्रस्थान, प्रवाद पर्व. प्रकाशक- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

1. नरेश मेहता का काव्य-संवेदना और शिल्प- अमियचंद पटेल
2. नरेश मेहता का काव्य- विमर्श और मूल्यांकन- प्रभाकर शर्मा
3. नरेश मेहता कविता की ऊर्ध्वयात्रा- रामकमल राय
4. नरेश मेहताकृत महाप्रस्थान- विष्णु प्रभा शर्मा
5. नयी कविता के नाट्य कविता- डॉ हरिश्चंद्र शर्मा
6. नयी काविता के प्रबंध काव्य-शिल्प और जीवन दर्शन- डॉ उमाकान्त गुप्त
7. नरेश मेहता के काव्य का अनुशीलन- डॉ प्रतिभा मुदलियार

HINDI DRAMA AND THEATRE
हिंदी नाटक तथा रंगमंच

Soft Core — Credit – 4-3+1

Paper Code – 13825 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- नाटक विधा के इतिहास का ज्ञान
- रंगमंच के विकास एव स्वरूप से परिचय
- हिंदी के नाटकारों का परिचय तथा नाटक के विश्लेषण की समझ
- नाट्यकला की समझ विकसित

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- अभिनय द्वारा संवादों का पठन

Unit -1 इकाई-1 नाटक- उद्भव और विकास

- नाटक के तत्व
- नाटक के प्रकार
- रंगमंच
- प्रायोगिक नाटक
- प्रमूख नाटककारों का परिचय और योगदान

Unit -2 इकाई -2 नाटक, 'स्कन्दगुप्त'- जयशंकर प्रसाद

- नाटककार जयशंकर प्रसाद
- वस्तुगत विवेचन
- प्रमूख पात्रों का चरित्र चित्रण

- ऐतिहासिकता
- नाटक के तत्वों के आधार पर विवेचन
- मंचीयता

Unit -3 इकाई-3 नाटक, 'एक कंठ विषपायी'- दुष्यन्त कुमार

- दुष्यन्त कुमार-जीवन परिचय तथा साहित्य साधना
- नाटककार दुष्यन्त कुमार
- नाटक का वस्तुगत विवेचन
- प्रमूख पात्रों का चरित्र चित्रण
- नाटक की प्रमुख समस्याएँ
- मंचीयता

Unit -4 इकाई -4 एकांकी संग्रह

(सविस्तार अध्ययन हेतु 'एकांकी रश्मि'- संपादक- अरूण पाटील, सिवस्तार अध्ययन के लिए प्रथम पाँच एकांकी, विद्या प्रकाशन, सी, 449, गुजैनी, कानपुर 208022)

- प्रत्येक पठित एकांकी का तात्विक विवेचन
- हिंदी एकांकी का प्रवृत्तिमूलक विश्लेषण
- हिंदी एकांकी और रंगमंचीयता

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी नाटक- उद्भव और विकास- डॉ दशरथ ओझा
2. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन- जग्गनाथ प्रसाद शर्मा
3. जयशंकर प्रसाद- रंगदृष्टी- महेश आनंद
4. आधुनिक नाटक के मसीहा- गोविंद चातक
5. मोहन राकेश का साहित्य- समग्र मुल्यांकन- डॉ शरतचंद्र चुलकीमठ
6. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच- जयदेव तनेजा
7. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक मोहन राकेश के विशेष संदर्भ में- रीता कुमार
8. हिंदी एकांकी शिल्प विधि का विकास- कपिल वात्सायन
9. हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मीनारायण लाल

.....

Hindi Journalism
हिंदी पत्रकारिता

Soft Core — Credit – 4-3+1

Paper Code – 13826 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का ज्ञान

- पत्रकारिता के विविध रूपों की समझ
- पत्रकारिता की सैद्धान्तिकी की समझ
- पत्रकारिता जगत क विश्लेषण की समझ

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit -1 इकाई-1

- पत्रकारिता- परिभाषा, स्वरूप और प्रकार
- भारत में पत्रकारिता का प्रारंभ
- हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
- प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

Unit -2 इकाई-2

- समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व- समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम
- संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त- शीर्षक, पृष्ठ सज्जा, आमुख, समाचार पत्र की प्रस्तुति
- समाचार पत्र के विभिन्न स्तम्भों की योजना
- दृश्य सामग्री- कार्टुन, रेखाचित्र, ग्राफिक्स की व्यवस्था, फोटो पत्रकारिता

Unit -3 इकाई-3

- समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार एजन्सियाँ
- संपादक तथा संवाददाता की योग्यता और गुण
- पत्रकारिता संबंधित लेखन- संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार

Unit -3 इकाई-3

- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता- आकाशवाणी, दूरदर्शन, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता
- लोकसंपर्क तथा विज्ञापन
- कर्नाटक में हिंदी पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ

1. समाचार संपादन और पृष्ठ सज्जा, रमेशकुमार जैन
2. भारतीय पत्रकारिता –कल, आज और कल- सुरेश गौतम, वीणा गौतम
3. हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम-वेद प्रताप सिंह- नेशनल पब्लिशिंद हाउस, नई दिल्ली
4. हिंदी पत्रकारिता- कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली
5. पत्रकारिता- परिवेश और प्रवृत्तियाँ- डॉ पृथ्वीनाथ पाण्डेय-लोकभारती प्रकाशन
6. हिंदी पत्रकारिता स्वरूप एवं संदर्भ- विनोद गोदरे
7. हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न आयाम- भाग - 1,2- हंदी बुक सेंटर,नई दिल्ली

8. हिंदी पत्राकरिता का समकालीन संदर्भ- डॉ शिवनारायण, डॉ सिद्धेश्वर काश्यप- श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
9. संचार माध्यम और इलेक्ट्रानिक मीडिया- ज्ञानेद्र रावत- श्री नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
10. पत्राकरिता विमर्श- डॉ रमेश वर्मा- समवेत प्रकाशन, कानपुर

.....

Semester -III
सेमेस्टर -III

.....

Bhasha Vigyan
भाषा विज्ञान

Hard Core
Paper Code – 13841
Credit – 4-3+1
Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- भाषा विज्ञान स संबंधित विश्लेषण संबधी समझ विकसित होगी।
- भाषा की विशेषताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- भाषा विज्ञान की शाखाओं के अध्ययन के द्वारा भाषा व्यवहार, संप्रेषण आदि का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भाषा के सामाजिक विश्लेषण की श्रमता निर्माण होगी

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- प्रयोग, दृश्य, श्रव्य माध्यमों का प्रयोग
- अभ्यास
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

पाठ्यक्रम

Unit: 1 इकाई 1 भाषा और भाषा विज्ञान

- भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, लिखित और उच्चरित भाषा, भाषा और बोली, भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा की उत्पत्ति, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ- वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

Unit: 2 इकाई 2 स्वन प्रक्रिया

- स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, वाग् यंत्र, वाग् अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन-गुण, स्वनिमिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, परिभाषा, स्वनिम के भेद, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, ध्वनि नियम

Unit: 3 इकाई 3 व्याकरण

- रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद- मुक्त, आबद्ध, अर्थदर्शी और संबंध दर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्वितभिधानवाद, वाक्य के भेद

Unit: 4 इकाई 4 अर्थविज्ञान

- अर्थ की अवधारणा.शब्द और अर्थ का संबंध,पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, प्रोक्ति संरचना- सामान्य परिचय,
- भाषाओं का आकृतिमुलक वर्गीकरण

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलहाबाद
2. सामान्य भाषा विज्ञान- बाबुराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका- देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक भाषा विज्ञान- कृपाशंकर सिंह,चतुर्भुज सहाय, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

.....

Hindi Bhasha ka Itihas

हिंदी भाषा का इतिहास

Soft Core Credit – 4-3+1

Paper Code – 13842 Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- हिंदी भाषा के विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
- विभिन्न बोलियों की समझ विकसित होगी।
- हिंदी भाषा के इतिहास के विकास क्रम का ज्ञान
- भाषा विश्लेषण की समझ

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा

- आंतरिक मूल्यांकन
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit: 1 इकाई 1 भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- संसार की भाषाओं के वर्गीकरण के आधार, प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, वैदिक, लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ
- मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा- पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
- आधुनिक भारतीय आर्य़भाषा उनका वर्गीकरण और विशेषताएँ

Unit: 2 इकाई 2 हिंदी का भौगोलिक विस्तार

- हिंदी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ, ब्रज, अवधी और खडी बोली की विशेषताएँ
- हिंदी भाषा का उद्भव और विकास- प्राचीन काल, मध्यकाल और आधुनिक काल

Unit: 3 इकाई 3 हिंदी का शब्द समुह

- स्रोतगत परिचय, तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- लिंग, वचन, कारक का उद्भव और विकास

Unit: 4 इकाई 4 देवनागरी लिपि

- उत्पत्ति, विकास, ब्राह्मी, खरोष्टी,
- देवनागरी लीपियाँ, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता,गुण-दोष एवं सुधार

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास- भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी भाषा का इतिहास- धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तान एकेडमी, प्रयाग
3. हिंदी भाषा की संरचना- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी भाषा का संरचना और प्रकार्य- सूरजभान सिंह, साहित्य सहकार, दिल्ली
5. हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास- सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Special Poet- Kabeer
विशेष कवि कबीर

Soft Core Credit – 4-3+1
Paper Code – 13843 Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- मध्यकालीन परिस्थितियों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- कबीर के युग की समझ विकसित होगी
- कबीर के काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
- कबीर की भाषा और शैली का विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- काव्य पाठ
- आंतरिक मूल्यांकन

Unit-1 इकाई- 1 कबीर

- कबीर की जीवनी और साहित्य साधना
- कबीर के दार्शनिक विचार
- कबीर की भक्ति पद्धति
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर का समाज दर्शन और क्रांतिकारी व्यक्तित्व
- कवि के रूप में कबीर
- कबीर की भाषा शैली

Unit-2 इकाई- 2 कबीर के दोहे

कबीर वचनामृत-संपादक- विजयेन्द्र स्नातक, रमेशचंद्र मिश्र (व्याख्या हेतु- दोहे - क्रमांक 41 से अंत तक)

- दोहों का विषयगत अध्ययन
- कबीर के गुरू
- कबीर के राम

Unit-1 इकाई- 1 कबीर के पद

कबीर वचनामृत-संपादक- विजयेन्द्र स्नातक, रमेशचंद्र मिश्र (व्याख्या हेतु पद क्रमांक 11 से-अंत तक)

- कबीर की उलटबासिंयाँ
- कबीर के काव्य में श्रृंगार
- कबीर का काव्य का कलापक्ष

Unit-4 इकाई-4 कबीर की रमैनी,

कबीर वचनामृत-संपादक- विजयेन्द्र स्नातक, रमेशचंद्र मिश्र

संदर्भ ग्रंथ

1. संत कबीर - रामकुमार वर्मा

2. कबीर विचार धारा- गोविंद त्रिगुणायत
3. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की प्रासंगिकता- संपादक- विवेकदास, कबीरवाणी, प्रकाशन केंद्र, वाराणसी
5. कबीर साहित्य साधना- यज्ञदत्त शर्मा, अश्ररम, 462, सेक्टर-14, सोनीपत, हरियाणा
6. कबीर की आलोचना- राजनाथ शर्मा

.....

Special Poet Tulasidas
विशेष कवि तुलसीदास

Soft Core — Credit – 4-3+1
Paper Code – 13844 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- मध्यकालीन परिस्थितियों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- तुलसी के युग की समझ विकसित होगी
- तुलसी के काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
- तुलसी के दर्शन की विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- काव्य पाठ का अभ्यास
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन

Unit-1 इकाई- 1 तुलसी

- तुलसी की जीवनी और साहित्य साधना
- तुलसी की भक्ति भावना
- तुलसी का लोकनायकत्व, समन्वयवाद
- तुलसी की दार्शनिकता
- तुलसी की समाज-सुधारवादी भावना
- तुलसी की प्रबंध कल्पना

Unit-2 इकाई- 2 रामचरित मानस- तुलसीदास
(व्याख्या हेतु-अयोध्याकांड)

- अयोध्याकांड की वस्तुगत विशेषताएँ
- अयोध्याकांड के मार्मिक प्रसंग
- तुलसी के राम
- पात्र तथा चरित्र चित्र
- संवाद योजना
- काव्यसौष्ठव
- प्रकृति चित्रण

Unit-3 इकाई- 3 विनय पत्रिका- तुलसीदास
(व्याख्या हेतु- पद क्रमांक 1 से 50 तक)

- शिर्षक की सार्थकता
- दास्य-भक्ति
- काव्य सौंदर्य
- भावपक्ष- कलापक्ष

Unit-4 इकाई- 4 गीतावली – तुलसीदास (द्रुतपाठ हेतु)

- गीतावली की विषयवस्तु
- वस्तुगत विशेषताएँ
- गीतितत्व
- काव्यसौष्ठव
- प्रकृति चित्रण
- वात्सल्य

संदर्भ ग्रंथ

1. तुलसी सीहित्य और साधना- इन्द्रनाथ मदान
2. प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3. तुलसी नव मूल्यांकन-रामरतन भटनागर
4. तुलसी चिंतन और कला-इन्द्रनाथ मदान
5. गोस्वामी तुलसीदास- विश्ववंत प्रसाद मिश्र, ब्रह्मलाल बनारसी
6. त्रिवेणी - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, इलाहाबाद

.....

Special Poet Surdas
विशेष कवि सूरदास

Soft Core — Credit – 4-3+1
Paper Code – 13845 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- मध्यकालीन परिस्थितियों का विश्लेषणात्मक ज्ञान
- सूरदास के युग की समझ विकसित होगी

- सूरदास के काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
- सूर की भक्ति की विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- काव्य पाठ का अभ्यास
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit-1 इकाई- 1 सुरदास

- सूर की जीवनी, साहित्य साधना
- पुष्टिमार्ग और सुर
- सूर की भक्ति भावना
- सूर की विनय भावना
- सूर की दार्शनिकता
- सूर का वात्सल्य वर्णन
- श्रृंगार व्यंजना
- अभिव्यक्ति पक्ष
- गीत शैली
- सूर के कृष्ण
- सूर की राधा
- सूर-सूर तुलसी ससी

Unit-2 इकाई-2 विनय तथा भक्ति
(पाठ्य पुस्तक- सूरसागर सार- डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, लि. अलाहाबाद)
Unit-3 इकाई-3 गोकुल लीला
(पाठ्य पुस्तक- सूरसागर सार- डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, लि. अलाहाबाद)
Unit-4 इकाई-4 वृंदावन लीला तथा राधाकृष्ण
(पाठ्य पुस्तक- सूरसागर सार- डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, लि. अलाहाबाद)
संदर्भ ग्रंथ

1. सूरसारावली- डॉ प्रेमनारायण टंडण, साहित्य भंडार, लखनउ
2. सूरदास- रामचंद्र शुक्ल, सरस्वती मंदिर, काशी
3. सूर साहित्य- डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय, बंबई.
4. सूर का साहित्य- डॉ भगवत स्वरूप मिश्र , शिवराज अग्रवाल एण्ड कंपनी, आग्रा
5. सूर के सौ दृष्टिकोण- चुन्नीलाल शेष, हिंदी प्रचारक पुस्तक मंदिर,बनारस
6. सूर और उनका साहित्य- डॉ. हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मंदिर अलिगढ

7. सूरदास- डॉ ब्रजेश्वर वर्मा, भारतीय हिंदी परिषद,प्रयाग विश्वविद्यालय, प्रयाग

.....

Pracheen Hindi Kava
प्राचीन हिंदी काव्य

Soft Core — Credit – 4-3+1
Paper Code – 13847 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- हिंदी साहित्य के आदिकाल इतिहास का ज्ञान प्राप्त होगा।
- विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा
- प्रमुख कवियों की कविता की समझ विकसित होगी

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियों

Unit-1 इकाई- 1

1. विद्यापति- संपादक- डॉ. शिवप्रसाद सिंह, व्याख्या हेतु (पद संख्या-)
2. कबीर वचनामृत- संपादक- विजयेन्द्र स्नातक, रमेशचंन्द्र मिश्रा, प्रकाशक- नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली (व्याख्या हेतु प्रथम 40 दोहे तथा प्रथम 10 पद)
3. पद्मावत- जायसी (व्याख्या हेतु- नागमति वियोग खंड)

Unit-2 इकाई- 2 आलोचना (विद्यापति)

- विद्यापति- श्रृंगारी या भक्त कवि
- भाव पक्ष- विषय और सौंदर्य
- कला पक्ष
- गीतिकार विद्यापति

Unit-3 इकाई-3 आलोचना (कबीर)

- कबीर की भक्ति
- समाज सुधारक कवि- कबीर
- कबीर की रहस्य साधना
- वाणी के डिक्टेटर कबीर
- कबीर का विद्रोह
- कबीर की दार्शनिकता

Unit-4 इकाई-4 आलोचना (जायसी)

- जायसी की प्रेम भावना
- पद्मावत में लोक तत्व
- पद्मावत-एक अन्योक्ति काव्य
- वीयोग वर्णन
- काव्य कला
- पद्मावत का दार्शनिक पक्ष

संदर्भ ग्रंथ

1. कबीर मिमांसा- डॉ रामचंद्र तिवारी
2. कबीर –एक नई दिशा- डॉ रघुवंशी
3. जायसी और उनका काव्य- डॉ इकबाल अहमद
4. पदमावत अनुशिलन- इंदचंद्र नागर
5. संत साहित्य और लोकमंगल- ओमप्रकाश त्रिपाठी
6. विद्यापति- डॉ. शिवप्रसाद सिंह

.....

Madhyakaleen Hindi Kavya
मध्यकालीन हिंदी काव्य

Soft Core Credit – 4-3+1
Paper Code – 13846 Marks -100=70+30)
Outcome (परिणाम)

- हिंदी साहित्य के भक्तिकालीन इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।
- विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा
- प्रमुख कवियों की कविता की समझ विकसित होगी

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Unit-1 इकाई- 1 व्याख्या हेतु

1. भ्रमरगीत सार- सुरदास- रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या हेतु-प्रथम 1 से 50 पद)

2. रामचरितमानस- तुलसीदास (बालकांड- प्रथम 75 दोहे)
3. बिहारी- संपादक- डॉ विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु- प्रथम 1 से 80 दोहे)

Unit-2 इकाई-2 आलोचना (सूरदास)

- भ्रमरगीत परंपरा, शीर्षक
- वागवैदग्ध
- सूर की गोपियाँ
- गीति तत्व
- सूर की भक्ति पद्धति
- सूरदास की साहित्य साधना
- सूर का काव्य सौष्ठव

Unit-3 इकाई-3 आलोचना (तुलसी)

- तुलसी का समन्वयवाद
- मानस की प्रबंध कल्पना
- तुलसी की भक्ति पद्धति
- बालकांड की विशेषताएँ
- तुलसी के काव्य का कलापक्ष
- तुलसी की कारयत्री प्रतिभा

Unit-4 इकाई-4 आलोचना (बिहारी)

- बिहारी का जीवन परिचय और साहित्यिक योगदान
- सतसई परंपरा और बिहारी
- विहारी के काव्य में श्रृंगार
- भाव व्यंजना
- कलापक्ष

संदर्भ ग्रंथ

1. बिहारी का नया मूल्यांकन- डॉ बच्चन सिंह
2. बिहारी प्रकाश- विश्वनाथ प्रसाद सिंह
3. बिहारी रत्नाकर-संपा- डॉ जगन्नाथदास रत्नाकर
4. सुरदास- डॉ ब्रजेश्वर वर्मा
5. सुरदास- रामचंद्र शुक्ल
6. सुर सौरभ- डॉ मुंशिराम शर्मा
7. गोस्वामी तुलसीदास- रामचंद्र शुक्ल
8. तुलसीदास- डॉ. माता प्रसाद गुप्त
9. गोस्वामी तुलसी दास- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
10. गोस्वामी तुलसीदास- श्यामसुंदरदास एवं भरत्वाल

.....

PracheenTathaMadhyakaleen Hindi Kavya
प्राचीन तथा मध्यकालीन काव्य

Soft Core Credit – 4-3+1
Paper Code – 13849 Marks -100=70+30)
Outcome (परिणाम)

- प्राचीन तथा मध्यकालीन परिस्थितियों का विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।
- विभिन्न कवियों और उनकी कविताओं का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त होगा
- प्रमुख कवियों की कविता की समझ विकसित होगी

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

ईकाई – 1 पद्मावत- मलिक मुहम्मद जायसी (व्याख्या हेतु- नागमति वीयोग खंड)
इकाई -2 रामचरित मानस - तुलसीदास (व्याख्या हेतु- उत्तरकांड)
इकाई – 3 भ्रमरगीत सार- संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (व्याख्या हेतु प्रथम पचास पद)
इकाई – 4 बिहारी- संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (व्याख्या हेतु प्रथम - 70)

Reference Books

1. जायसी और उनका काव्य- डॉ इकबाल अहमद
2. पदमावत अनुशिलन- इंदचंद्र नागर
3. गोस्वामी तुलसीदास- रामचंद्र शुक्ल
4. तुलसीदास- डॉ. माता प्रसाद गुप्त
5. गोस्वामी तुलसी दास- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. गोस्वामी तुलसीदास- श्यामसुंदरदास एवं भरत्वाल
7. सुरदास- डॉ ब्रजेश्वर वर्मा
8. सुरदास- रामचंद्र शुक्ल
9. सुर सौरभ- डॉ मुंशिराम शर्मा
10. बिहारी का नया मूल्यांकन- डॉ बच्चन सिंह
11. बिहारी प्रकाश- विश्वनाथ प्रसाद सिंह
12. बिहारी रत्नाकर-संपा- डॉ जगन्नाथदास रत्नाकर

.....

Semester – IV

सेमेस्टर –IV

.....

Bhartiya Kavya Shastra

भारतीय काव्यशास्त्र

Hard Core Credit – 4-3+1

Paper Code – 13861 Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- भारतीय काव्य शास्त्र की विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।
- कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।
- भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन की समझ विकसित होगी।
- भारतीय काव्य शास्त्र की जानकारी से आलोचनात्मक चिंतन का निर्माण होगा

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधियाँ

Unit-1 इकाई-1

- काव्यशास्त्र का नामकरण- भारतीय काव्यशास्त्र परंपरा- काव्य की परंपरा,
- काव्य की परिभाषा एवं लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रेरणा और प्रयोजन

Unit-2 इकाई-2

- काव्य के विविध रूप, महाकाव्य विषयक भारतीय मान्यताएँ, खंडकाव्य, मुक्तक काव्य, काव्य का वर्गीकरण- श्रव्यकाव्य, दृश्यकाव्य

Unit-3 इकाई-3

- काव्यात्मा संबंधी प्रमुख भारतीय सिद्धान्त
- भारतीय काव्य संप्रदाय- रस, अलंकार, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य का विशेष अध्ययन

Unit-4 इकाई-4

- रस का स्वरूप और भरतमुनि का रस निष्पत्ति संबंधी सूत्र
- साधारणीकरण, रस संख्या
- शब्द शक्ति- परिभाषा भेद और उपभेद

संदर्भ ग्रंथ

1. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्य के रूप- गुलाबराय
3. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त- दो भाग- गोविंद त्रिगुणायत
4. समीक्षालोक- डॉ भगीरथ मिश्र- नैशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली
5. हिंदी काव्य शास्त्र की परंपरा- डॉ. शिवनाथ पांडेय
6. भारतीय काव्यशास्त्र- योगेन्द्र प्रताप सिंह

7. भरतीय काव्य सिद्धान्त- डॉ नगेन्द्र

Pashchatya Kavya Shastra

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Hard Core Credit – 4-3+1

Paper Code – 13862 Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- पाश्चात्य काव्य शास्त्र की विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी
- भाषा , कला की आवश्यकता और जीवन के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करने की क्षमता निर्माण होगी।
- कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।
- भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन की समझ विकसित होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit-1 इकाई-1

- प्लेटो और अरस्तु का अनुकरण सिद्धान्त, अरस्तु का विरेचन सिद्धान्त
- लोंजाइनस- काव्य में उदात्त तत्व

Unit-2 इकाई-2

- कॉलरीज- कल्पना सिद्धान्त
- वर्डसवर्थ- काव्य भाषा का सिद्धान्त

Unit-3 इकाई-3

- आई. ए. रिचर्डस- मुल्य सिद्धान्त और संप्रेषण सिद्धान्त
- टी.एस इलियट- निर्वेयक्तिकता का सिद्धान्त

Unit-4 इकाई-4

- अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद
- उत्तर आधुनिकतावाद, विखंडनवाद

संदर्भ ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त- शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन , नई दिल्ली
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र- डॉ देवेन्द्रनाथ शर्मा- नेशनल पब्लिशिंग हाउस.दिल्ली

3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त- गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलहाबाद
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. विजयपाल सिंह- जयभारती प्रकाशन, इलहाबाद
5. उत्तर आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद- सुधीश पचौरी, हिमाचल पुस्तक भंडार, दिल्ली
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन-निर्मला जैन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धान्त और संप्रदाय- कृष्ण वल्लभ जोशी

Hindi Aalochana aur aalochak
हिंदी आलोचना और आलेचक

Soft Core Credit – 4-3+1
Paper Code – 13863 Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- हिंदी आलोचनात्मक विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
- आलोचना और आलोचक की कृतियों का समझने की क्षमता निर्माण होगी
- आलोचना के विविध रूपों को समझने की क्षमता निर्माण होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन की गतिविधियाँ

Unit -1 इकाई-1 आलोचना

- परिभाषा, तत्व और स्वरूप
- आलोचना के प्रकार
- आलोचक के गुण

Unit -2 इकाई-2 आलोचना का उद्भव और विकास

Unit -3 इकाई-3 साहित्यिक आलोचना की दृष्टियाँ- सामान्य परिचय

- मनोविश्लेषणात्मक समीक्षा
- मार्क्सवादी समीक्षा
- मिथकीय आलोचना
- नई समीक्षा
- शैलीवैज्ञानिक आलोचना दृष्टि

Unit -4 इकाई-4 हिंदी के प्रमुख आलोचक

- रामचंद्र शुक्ल
- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- नंददुलारे बाजपेयी
- डॉ.नगेन्द्र
- रामविलास शर्मा
- डॉ नामवर सिंह

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आलोचनाः उद्भव और विकास- भगवतस्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहराडून
2. हिंदी आलोचना का इतिहास- -डॉ मक्खनलाल शर्मा, प्रगतिशील प्रकाशन,दिल्ली
3. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ- डॉ सुरेशचंद्र गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी आलोचना- डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाश, दिल्ली
5. हिंदी आलोचना का विकास- डॉ नवलकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
6. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी- निर्मल जैन- राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली
7. इतिहास और आलोचना- डॉ नामवर सिंह

....

Samkaleen Hindi Kavita
समकालीन हिंदी कविता

Soft Core — Credit – 4-3+1

Paper Code – 13864 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- समकालीन संदर्भों, परिस्थितियों आदि के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
- समकालीन कवियों और कृतियों को समझने की क्षमता निर्माण होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit -1 इकाई-1 समकालीन कविता

- नयी कविता का ऐतिहासिक परिदृश्य
- कविता के आंदोलन
- समकालीन कविता- एक परिदृश्य
- समकालीन कविता की संवेदना और प्रवृत्तियाँ
- समकालीन कवि और उनकी रचनाएं

Unit -2 इकाई-2 समकालीन हिंदी कविता- ड़ा. मोहनन- राजपाल एण्ड सन्स

Unit -3 इकाई-3 पाठ्य पुस्तक-'जादू नहीं कविता'- कात्यायनी,वाणी प्रकाशन,दिल्ली.
(बनना है भलमानुस, सौ साल जियें, बारह शिर्षकविहीन कविताएँ, दस शिर्षकविहीन कविताएँ,प्रार्थना, सबक, बस्ता, एक बगावती प्रर्थना, कमला, एक आशंका, दुख, सुख, आविष्कार, भयमुक्ति, सिटकनी, मार्फत. कम से कम, उनका हंसना, यूँ अचानक एक दिन हमारा, अब बुद्ध ही बताएं, जादू नहीं कविता आदि कविताओं का समग्र अध्ययन)

Unit -4 इकाई-4(पाठ्यपुस्तक- 'आवाज़ भी एक जगह है'- मंगेश डबराल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(प्रथम 20 कविताओं का कविताओं का समग्र अध्ययन)

संदर्भ ग्रंथ

1. नयी कविता के प्रतिमान- लक्ष्मीकांत वर्मा, भारती प्रेस प्रकाशन, इलाहाबाद
2. नयी रचना और रचनाकार- डॉ दयानंद शर्मा, अन्नपुर्णा प्रकाशन, कानपुर
3. नयी कविता के सात अध्याय- देवेश ठाकुर, संकल्प प्रकाशन, मुंबई
4. समकालीन काव्य यात्रा- नंद किशोर नवल
5. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि- डॉ द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
6. समकालीन प्रतिनिधि कवि
7. हिंदी कविता का समकालीन परिदृश्य- डॉ हरदयाल, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली.

.....

Special form of literature
आधुनिक हिंदी साहित्य की एक विशेष विधा/ प्रबंध काव्य/ उपन्यास/ नाटक

प्रबंध काव्य

Soft Core Credit – 4-3+1
Paper Code – 13865 Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- पबंधकाव्यों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
- आधुनिसम तथा कालीन कवियों और कृतियों को समझने की क्षमता निर्माण होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ

Unit-1 इकाई-1 प्रबंध काव्य- सैद्धान्तिक परिचय

- प्रबंध काव्य की परिभाषा और स्वरूप
- प्रबंध काव्य के तत्व
- आदिनिक हिंदी प्रबंध काव्य की विकास यात्रा

Unit-2 इकाई-2 प्रियप्रवास- अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध (व्याख्या हेतु प्रथम 2 खंण्ड)

- हरिऔध का जीवन और काव्य-साधना
- प्रियप्रवास- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- प्रियप्रवास में आधुनिकता
- काव्य सौष्ठव

Unit-3 इकाई-3 उर्वशी- रामधारी सिंह दिनकर (व्याख्या हेतु- दूसरा सर्ग)

- दिनकर- जीवन और काव्यसाधना
- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- कामतत्व- मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन
- काव्य सौष्ठव

Unit-4 इकाई-4 कनुप्रिया- धर्मवीर भारती

- जीवन और काव्यसाधना
- कथ्यगत विवेचन
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- आधुनिकता
- काव्य सौष्ठव

संदर्भ ग्रंथ

1. 'प्रवासी' हरिऔध का प्रियप्रवास-श्री लीलाधर त्रिपाठी
2. प्रियप्रवास में संस्कृति और दर्शन-द्वारिका प्रसाद सक्सेना

3. दिनकर दृष्टि और सृष्टि-संपादक गोपालकृष्ण कौल तथापरिप्रसाद शास्त्री
4. दिनकर की उर्वशी-रीमशंकर तिवारी
5. दिनकर एक पुर्नमुल्यांकंन-विजयेन्द्र स्नातक
6. आधुनिक हिंदी काव्य में कामतत्व-डॉ वीरेन्द्र कुमार वसु
7. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी महाकाव्य का सांस्कृतिक अनुशिलन-डॉ गजानन सुर्वे
8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी महाकाव्यों में जीवन दर्शन- डॉ गायत्री जोशी
9. अनंत पथ के यात्री-धर्मवीर भारती- विष्णुकांत शास्त्री-प्रभात प्रकाशन ,दिल्ली
10. आधुनिक हिंदी महाकाव्य- डॉ कौशलेनद्र सिंह भदौरिया-साहित् रत्नालय, कानपुर

.....

Dalit Sahitya
दलित साहित्य

Soft Core Credit – 4-3+1
Paper Code – 13867 Marks -100=70+30)
Outcome (परिणाम)

- दलित अस्मिता का विश्लेषमात्मक ज्ञान
- दलित अस्मिता और साहित्य की समझ
- दलित साहित्य की सैद्धान्तिकी की समझ
- दलित अस्मिता से संबंधित साहित्य के विश्लेषण की समझ

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन

Unit -1 इकाई-1 –

- भारतीय सामाजिक संरचना- वर्ण, जाति एवं वर्ग व्यवस्था
- दलित साहित्य आंदोलन का उद्भव और विकास- दलित साहित्य आंदोलन एवं दलित साहित्य का संबंध, दलित साहित्य का उद्भव, दलित साहित्य की परंपरा
- दलित साहित्य की परिभाषा, दलित साहित्य के वैचारिक आधार,
- दलित साहित्य के प्रतिमान, सौंदर्य शास्त्र और दलित सौंदर्यशास्त्र
- हिंदा साहित्य में दलित लेखन

Unit -2 इकाई-2 दलित कहानी संकलन
'नयी सदी की पहचान -श्रेष्ठ दलित कहानियाँ' -संपादक. मुद्राराक्षस, लोकभारती प्रकाशन.इलाहाबाद (अध्ययन के लिए प्रथम 8 कहानियाँ)

- पत्येक कहानी का दलित विमर्श
- विषयवस्तु और पात्र परिकल्पना
- भाषागत विशेषता और सौंदर्य

Unit -3 इकाई-3 दलित कविता, 'बस्स बहुत हो चुका- ओमप्रकाश वाल्मिकी'- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली (अध्ययन के लिए प्रथम 12 कविताँ)

Unit -4 इकाई-4 दलित आत्मकथा- 'रेत' –भगवानदास मोरवाल- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

- विषयवस्तु और पात्र परिकल्पना
- भाषागत विशेषता और सौंदर्य

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय दलित साहित्य- परिप्रेक्ष्य-पुन्नी सिंह,,कमला प्रसाद, राजोन्द्र शर्मा, प्रकाशक- वाणी प्रकाशन,दिल्ली
2. दलित साहित्य का समाज शास्त्र- शरणकिमार लिंबाले, वाणी प्रकाशन,दिल्ली
3. दलित चेतना की कहानियाँ-बदलती परिभाषाएं, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

.....

Stree Lekhan
स्त्री लेखन

Soft Core — Credit – 4-3+1
Paper Code – 13868 — Marks -100=70+30)

Outcome (परिणाम)

- स्त्री अस्मिता का विश्लेषमात्मक ज्ञान
- अस्मितामूलक साहित्य की समझ
- स्त्री विमर्श के संबंधित साहित्य की सैद्धान्तिकी की समझ
- स्त्री अस्मिता से संबंधित साहित्य के विश्लेषण की समझ

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा

- आंतरिक मूल्यांकन की गतिविधियाँ

Unit -1 इकाई-1 स्त्री लेखन

- मानव सभ्यता का विकास और स्त्री- स्त्री- जैविक और मनोवैज्ञानिक संदर्भ, लिंगभेद की राजनीति और स्त्री, भारतीय सामाजिक संरचना और उसमें स्त्री का स्थान
- स्त्री लेखन, स्त्री मुक्ति आंदोलन और स्त्री-वाद
- हिंदी साहित्य में स्त्री लेखन परंपरा- स्वतंत्रतापूर्व और स्वातंत्र्योत्तर
- महिला लेखन और नारीवादी चिंतन
- स्त्री लेखन के प्रतिमान

Unit -2 इकाई-2 कहानी

नयी सदी की पहचान- संपादक- ममता कालिया, प्रकाशक- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (प्रथम 9 कहानियों का अध्ययन)

- प्रत्येक कहानी का स्त्री वादी विमर्श
- कथ्यगत विवेचन
- पात्र परिकल्पना
- भाषागत विशेषता

Unit -3 इकाई-3 कविता (आदमी से आदमी तक- रमणिका गुप्ता, शुभम प्रकाशन, नई दिल्ली)
(प्रथम 12 कविताओं का अध्ययन)

- पत्येक कविता का भावगत एवं कलागत विवेचन
- स्त्री-वादी विमर्श
- भाषागत सौंदर्य

Unit -4 इकाई-4 उपन्यास- इदनमम- मैत्रीय पुष्पा

- मैत्रेयी पुष्पा- परिचय और साहित्यिक योगदान
- मैत्रेयी पुष्पा का स्त्री-वादी दृष्टिकोण
- पठित उपन्यास की विषय-वस्तु
- पात्रों का चरित्र चित्रण, उपन्यास में अभिव्यंजित विचारधारा और स्त्री-वादी दृष्टिकोण□□भाषागत विशेषता

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी कहानीः पहचान और परख- इंद्रनाथ मदान
2. साठोत्तरी महीला कहानीकार- मंजु शर्मा
3. आधुनिक हिंदी उपन्यासों में नारी के विविध रूपों का चित्रण- डॉ. मोहम्मद ढेरीवाल,चिंतन प्रकाशन, कानपुर
4. हिंदी की महिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना- डॉ उषा यादव,राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली.
5. हिदी का महिला कहानीकारों में नारी और ग्रामीण चेतना- सार्थक प्रकाशन,दिल्ली.
6. स्वातंत्र्योत्तर कथा लेखिकाएँ- उर्मिला गुप्ता
7. समकालीन हिंदी कहानयों में नारी के विविध रूप- डॉ धनश्यामदास भूतडा-अतुल प्रकाशन, कानपुर

.....

Dissertation (लघु शोध प्रबंध)

Soft Core Credit – 4-3+1 Marks -100= 60+10+30)

Outcome (परिणाम)

इस कोर्स में सभी विद्यार्थियों के लिए लघु शोध प्रबंध लिखने का प्रावधान है जिससे भविष्य में शोध कार्य का मार्ग सुगम हो सकें। विद्यार्थी आलोचनात्मक लेखन तथा शोध कार्य करने का अनुभव मिले।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- चर्चा परिचर्चा
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधयाँ
- शोध पबंध की प्रस्तुति

संबंधित प्रध्यापक के निर्देशानुसार लगभग 100 पृष्ठों का लघु शोध प्रबंध प्रत्येक छात्र को सत्रान्त परीक्षा के निमित्त प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए 100 अंक निर्धारित है। परीक्षा हेतु लघु शोध प्रबंध सजिल्द टंकित रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

.....

OPEN ELECTIVE – मुक्त ऐच्छिक

ADHUNIK HINDI KATHA SAHITYA

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

Open Elective Credits-4 (3+1)

Paper Code – 13871 (Marks total-100-70+30

Out Come – (परिणाम)

- हिंदी उपन्यास तथा कहानी के विश्लेषण समझ विकसित होगी।
- हिंदी कथा साहित्य की आधुनिकता को समझ सकेंगे।

Pedagogy - शिक्षण प्रक्रिया

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधियाँ
- लिखित परीक्षा

Unit -1 इकाई -1 कहानी की परिभाषा और तत्व

- कहानी क्या है
- कहानी के तत्व

- कहानी का वर्गीकरण
- कहानी का उद्भव और विकास- सामान्य परिचय
- हिंदी की प्रथम कहानी तथा कहानीकार
- हिंदी के प्रमुख कहानीकार तथा उनकी रचनाओं का परिचय

Unit -2 इकाई -2 लघु उपन्यास

काली आँधी- कमलेश्वर, प्रकाशक-राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

- कमलेश्वर- परिचय औऱ साहित्य साधना
- उपन्यास का कथानक
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- उपन्यास में अभिव्यंजित समस्या
- वैशेषता औऱ उद्देश्य

Unit -3 इकाई -3 कहानी

व्याख्या हेतु निम्नलिखित कहानीयों का अध्ययन

(प्रेमचंद- 'कफन', प्रसाद- 'प्रतिशोध', यशपाल- 'आदमी का बच्चा', फणिश्वरनाथ रेणु- 'पंचलाइट', मोहन राकेश-'मन्दी', भीष्म सहानी- 'चीफ की दावत', उषा प्रियम्वदा- 'वापसी')

Unit -4 इकाई -4 आलोचना

- प्रत्येक कहानी का कथ्यगत विवेचन
- कहानी के तत्वों के आधार पर प्रत्येक कहानी की समीक्षा

संदर्भ ग्रंथ

1. नयी काहनी- पुनर्विचार- मधुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. हिंदी काहनी- पहचान और परख- इन्द्रनाथ मदान- लिपि प्रकाशन,नई दिल्ली
3. हिंदी कहानी का विकास- ड्रॉ देवेश ठाकुर- संकल्प प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी उपन्यास- पहचान और परख- इन्द्रनाथ मदान- लिपि प्रकाशन,नई दिल्ली
5. आज का हिंदी उपन्यास- इन्द्रनाथ मदान, नीलाभ प्रकाशन,दिल्ली

OPEN ELECTIVE- मुक्त ऐच्छिक
Hindi Vyakaran
हिंदी व्याकरण

Open Elective — Credits-4 (3+1)

Paper Code – 13872 — (Marks total-100- 7100

Out Come – (परिणाम)

- हिंदी के व्याकरणिक प्रयोग की समझ विकसित होगी।
- हिंदी भाषा के उचित प्रयोग की क्षमता निर्माण होगी।

Pedagogy - शिक्षण प्रक्रिया

- कक्षा व्याख्यान
- अभ्यास
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधियाँ

Unit -1 इकाई-1

- वर्ण विचार
- संधि
- समास

Unit -2 इकाई-2

- शब्द के भेद- परिभाषा और भेद (संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण,क्रिया, (अकर्मक, सकर्मक, प्रेरणार्थक, संयुक्त क्रिया) क्रिया विशेषण, सम्मुचयबोधक अव्यय, संबंधसूचक अव्यय, विस्मयादिबोधक अव्यय

Unit -3 इकाई-3

- लिंग, वचन
- कारक
- काल

Unit -4 इकाई-4

- उपसर्ग और प्रत्यय
- वाक्य परिभाषा और भेद
- पद परिचय

संदर्भ ग्रंथ

- हिंदी व्याकरण- कामता प्रसाद गुरु
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण- डॉ हरदेव बाहरी
- अच्छी हिंदी- रामचंद्र वर्मा
- व्यावहारिक हिंदी व्याकरण- एक नया अनुशिलन- कृष्ण नंबुद्री
- हिंदी की लिंग प्रक्रिया- डॉ वी. डी. हेगडे

.....

OPEN ELECTIVE- मुक्त ऐच्छिक

General Hindi

सामान्य हिंदी

Open Elective — Credits-4 (3+1)

Paper Code – 13873 — (Marks total-100- 7100

Outcome (परिणाम)

- हिंदी के कहानी साहित्य के विश्लेषण की समझ विकसित होगी
- कविता के अनुशलीन की क्षमता निर्माण होगी।
- हिंदी भाषा के व्यावाहरिक स्वरूप की क्षमता निर्माण होगी।

Pedagogy (शिक्षण प्रक्रिया)

- कक्षा व्याख्यान
- आतंरिक मूल्यांकन की गतिविधियाँ
- अभ्यास
- समूह चर्चा

Unit -1 इकाई -1 हिंदी की प्रमूख सात कहानियाँ, प्रेमचंद- नशा, सुदर्शन – हार की जीत, भीष्म साहनी- चीफ की दावत, मोहन राकेश – वारिस, मन्नु भंडारी – नई नौकरी, उषा प्रियंवदा- वापसी, अमरकान्त – दोपहर क भोजन

Unit -2 इकाई -2 कबीर के दोहे (11 दोहे, 2 पद), सूर के पद (चार बाल लीला) , तुलसी के 12 दोहे, बिहारी क 12 दोहे)
Unit -3 इकाई -3 मैथिलीशरण गुप्त- दोनों ओर प्रेम पलता है, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला- वर दे वीणा वादिनी वर दे, सुमित्रानंदन पंत – ताज, महादेवी वर्मा- मेरे दीपक, हरिवंशराय बच्चान- जो बीत गयी सो बात गयी, रामधारी सिंह दिनकर – हिमालय के प्रति, धर्मवीर भारती – टूटा हुआ पहिया, कीर्ति चौधरी – एकलव्य, मरेश मेहता- एक प्रश्न
Unit -4 इकाई -4 हिंदी का सामान्य व्याकरण- शब्द के भेद, लिंग, वचन, काल, कारक
संदर्भ ग्रंथ

कविता कहानी कलश- प्रो. प्रतिभा मुदलियार
अच्छी हिंदी- रामचंद्र वर्मा

.....

Open Elective- मुक्त ऐच्छिक
Dram and Theatre
नाटक तथा रंगमंच

Open Elective — Credits-4 (3+1)
Paper Code – 13874 — (Marks total-100- 7100
Out Come – (परिणाम)

- हिंदी नाटक के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
- हिंदी नाटक के विकास को समझ सकेंगे।

Pedagogy - शिक्षण प्रक्रिया

- कक्षा व्याख्यान
- दृश्य माध्यम का प्रयोग
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधियाँ

Unit -1 इकाई -1 नाटक की परिभाषा और तत्व

- नाटक क्या है
- नाटक के तत्व
- एकांकी क्या है
- एकांकी कला
- नाटकों का वर्गीकरण
- नाटक तथा रंगमंच

Unit -2 इकाई -2 नाटक- 'माधवी'- भीष्म सहानी, प्रकाशक- राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

- भीष्म सहानी- परिचय, साहित्य साधना,
- कथावस्तु
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- समस्या और उद्धेश्य

Unit -3 इकाई -3 & Unit -4 इकाई -4 एकांकी - पाठ्यपुस्तक- 'नए रंग एकांकी' - सम्पादक- के. सतीश, प्रकाशक- प्रगति संस्थान, दिल्ली

- प्रत्येक एकांकी का कथानक एवं उसकी समीक्षा
- पात्र तथा चरित्र चित्रण
- एकांकी कला के आधार पर प्रत्येक एकांकी की समीक्षा
- संदर्भ ग्रंथ--

1. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच- जयदेव तनेजा
2. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक मोहन राकेश के विशेष संदर्भ में- रीता कुमार
3. हिंदी एकांकी शिल्प विधि का विकास- कपिल वात्सायन
4. हिंदी नाटक और रंगमंच- लक्ष्मिनारायण लाल

OPEN ELECTIVE- मुक्त ऐच्छिक
Vyavharik Hindi (Spoken Hindi)
व्यावहारिक हिंदी

HARD CORE
Credits-4 (3+1)
Paper Code – 13875
(Marks total-100- 7100

Out Come – (परिणाम)

- हिंदी भाषा के व्यावहारिक रूप को समझ पाएंगे।
- हिंदी भाषा के प्रोयग में आत्म विश्वास निर्माण होगा।

Pedagogy - शिक्षण प्रक्रिया

- कक्षा व्याख्यान
- अभ्यास
- आंतरिक मूल्यांकन संबंधि गतिविधियाँ

Unit -1 इकाई -1 हिंदी वर्ण -विचार
Unit -2 इकाई -2 हिंदी का सामान्य व्याकरण
Unit -3 इकाई -3 व्यावहारिक हिंदी के प्रमूख शब्द और वाक्य
Unit -4 इकाई -4 हिंदी वार्तालाप

संदर्भ ग्रंथ – 1. हिंदी वार्तालाप – प्रो. प्रतिभा मुदलियार
2. वार्तालाप का जादू – कम्युनिकेशन क बेहतरीन तरीके- वॉव पब्लिकेशन्ज, पुणे.

....